राज्य विधेयक और राज्यपाल की शक्तियाँ

सन्दर्भ:

- हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने पाया कि राज्यपाल को सहमति के लिए भेजे गए विधेयकों को "जितनी जल्दी हो सके" वापस किया जाना चाहिए और इसमें देरी नहीं होनी चाहिए, जिससे गवर्नर विलंब (Gubernatorial Procrastination) हो सकता है और राज्य विधानसभाओं को अनिश्चित काल तक इंतजार करना पड़ सकता है।

मुख्य विशेषताएं:

- यह तेलंगाना राज्य द्वारा दायर एक याचिका में एक न्यायिक आदेश में देखा गया था।
- इसने शिकायत की कि राज्यपाल ने कई महत्वपूर्ण विधेयकों को लंबित रखा है।

हाल के विलंबित विधेयकों के उदाहरण:

- तमिलनाडु विधानसभा ने एक प्रस्ताव पारित किया है जिसमें राष्ट्रपति से विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को स्वीकृति देने के लिए एक समय-सीमा तय करने का आग्रह किया गया है।
- राज्यपाल ने राज्य में काफी देरी के बाद एनईईटी से छूट के विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेजा।
- केरल के राज्यपाल ने सार्वजनिक रूप से घोषणा की कि वह लोकायुक्त संशोधन विधेयक और केरल विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक को स्वीकृति नहीं देंगे।

राज्य विधेयकों और राज्यपाल की शक्ति:

- **भारतीय संविधान का अनुच्छेद 200:** इसमें एक राज्य विधेयक को सहमति के लिए राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया शामिल है, जो निम्न में से चुन सकता है:

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 201:

- जब कोई विधेयक राष्ट्रपति के विचारार्थ आरक्षित होता है, तो राष्ट्रपति विधेयक पर अपनी सहमति दे सकता है या उस पर रोक लगा सकता है।
- राष्ट्रपति राज्यपाल को विधेयक को पुनर्विचार के लिए सदन या राज्य के विधानमंडल के सदनों को वापस करने का निर्देश भी दे सकते हैं।
- हालांकि, राज्यपाल विधेयक को आरक्षित कर सकते हैं और कुछ परिस्थितियों में स्वीकृति नहीं दे सकते हैं। इसमें शामिल है अगर बिल है
    - संविधान के प्रावधानों के खिलाफ।
    - देश के व्यापक हित के खिलाफ, राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों (डीपीएसपी) के विरोध में।
    - गंभीर राष्ट्रीय महत्व का।
    - संविधान के अनुच्छेद 31A के तहत संपत्ति के अनिवार्य अधिग्रहण से संबंधित है।
- आम तौर पर किसी भी राज्यपाल द्वारा सहमति रोकना नहीं किया जाता है क्योंकि यह एक बेहद अलोकप्रिय कार्रवाई होगी।
- **परिणाम:** राज्यपाल द्वारा विधानसभा से पारित

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- स्वीकृति
- राष्ट्रपति द्वारा विचार के लिए विधेयक को सहमति देना या सुरक्षित रखना।
- राज्यपाल सदन या सदनों द्वारा पुनर्विचार का अनुरोध करने वाले संदेश के साथ विधेयक को वापस भी कर सकते हैं।
  - यह आरक्षण तब अनिवार्य है जब राज्य विधानमंडल द्वारा पारित विधेयक राज्य उच्च न्यायालय की स्थिति को खतरे में डालता है।

विधेयकों को स्वीकृति देने में देरी के कारण राज्य के संवैधानिक दायित्व का उल्लंघन होता है और राज्य सरकार के कामकाज में बाधा होती है।

- यदि राज्यपाल इस तरह का व्यवहार जारी रखता है, तो राज्य सरकार अनुच्छेद 355 के तहत राष्ट्रपति को सूचित कर सकती है और संविधान के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए उचित निर्देश मांग सकती है।
- सर्वोच्च न्यायालय ने व्यवस्था दी है कि राज्यपाल संविधान के अनुच्छेद 361 के तहत अपनी शक्तियों के प्रयोग में किए गए किसी भी कार्य के लिए अदालती कार्यवाही से प्रतिरक्षा रखते हैं।

रॉयल रैंसमवेयर

सन्दर्भः

- हाल ही में भारतीय साइबर सुरक्षा एजेंसी ने "रॉयल रैंसमवेयर" वायरस के खिलाफ चेत

मुख्य विशेषताएंः

- यह संचार, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा जैसे व्यक्तियों के महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर हमला करता है और सार्वजनिक डोमेन में व्यक्तिगत डेटा लीक न करने के लिए बिटकॉइन में भुगतान की मांग करता है।
- इसका पता पहली बार जनवरी 2022 में चला था और यह पिछले साल सितंबर के आसपास सक्रिय हो गया था, जबकि अमेरिकी अधिकारियों ने इसके प्रसार के खिलाफ सलाह जारी की थी।

रैंसमवेयर के बारे में:

- रैंसमवेयर एक प्रकार का दुर्भावनापूर्ण सॉफ़्टवेयर

- यह मौजूदा कमजोरियों का फायदा उठाकर पूरे नेटवर्क में फैल सकता है।
- रैंसमवेयर हमलों के साथ अन्य भयावह उद्देश्यों के लिए संवेदनशील डेटा की चोरी भी हो सकती है।

है, जिसका उपयोग साइबर अपराधियों द्वारा फाइलों को एन्क्रिप्ट करके संग्रहीत डेटा तक पहुंच को अवरुद्ध करके कंप्यूटर सिस्टम को संक्रमित करने के लिए किया जाता है।

- डिक्रिप्शन कुंजी के बदले संबधित व्यक्ति से फिरौती की मांग की जाती है।
- आमतौर पर ईमेल या अन्य माध्यमों से भेजे गए सुरक्षित वेब लिंक (जिसमें हैकिंग भी शामिल है) पर क्लिक करके उपयोगकर्ता को धोखे से डाउनलोड करने के लिए मैलवेयर को दूरस्थ रूप से इंजेक्ट किया जा सकता है।

S.No.	Malware	Ransomware
1.	Malware is any file or a malicious code, designed to cause damage to a user's personal computer and network.	Ransomware is a form of malware designed to block access from system until a ransom fee is paid.
2.	Malware refers to a lot of different malicious software.	Ransomware is one of the type of malware.
3.	Malware is delivered via emails, software installations, USB or surfing through internet.	Ransomware is generally spread through phishing emails having malicious attachments.
4.	All other malware programs are less harmful than Ransomware and can be removed by using antivirus progrmas.	Ransomware is more harmful among all the malware as the only way of removal is to pay a ransom to its creator.
5.	Virus, trojan horses, worms and spyware are the various types of malware along with a few others.	Ransomware are of only two types- crypto and locker.
6.	It can control data and resources, cause error, destroy system and slow down the performance.	It provides profit to the ransomware programmers by getting money from user for unlocking the system.

पीजोइलेक्ट्रिसिटी

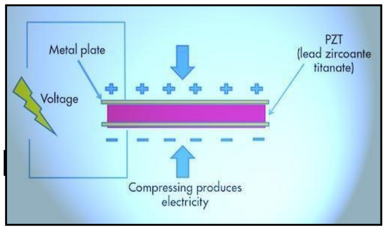

सन्दर्भ:

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (IIT-M) और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने पानी के नीचे संचार के लिए एक अत्याधुनिक सेंसर तकनीक विकसित की है।

मुख्य विशेषताएं:

- इन्होंने पीजोइलेक्ट्रिक एमईएमएस (माइक्रो इलेक्ट्रो मैकेनिकल सिस्टम) तकनीक विकसित की, जहां उन्होंने 100 मिमी व्यास वाली पीजोइलेक्ट्रिक पतली फिल्मों का निर्माण किया।
- इस तकनीक को अच्छी एकरूपता और उच्च पीजोइलेक्ट्रिक गुणों के साथ बनाया गया था।
- रक्षा अनुप्रयोगों में स्वदेशी प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जा सकता है।
- यह अंतरराष्ट्रीय फाउंड्री पर निर्भर होने की तुलना
- क्वार्ट्ज सबसे प्रसिद्ध पीजोइलेक्ट्रिक क्रिस्टल है जिसका उपयोग इस क्षमता में एनालॉग कलाई घड़ी और घड़ियों में किया जाता है।

क्वार्ट्ज :

- क्वार्ट्ज सिलिकॉन डाइऑक्साइड (SiO2) है।
- क्वार्ट्ज क्रिस्टल में तीन तरफा पिरामिड के चार शीर्षों पर सिलिकॉन और ऑक्सीजन परमाणु होते हैं; प्रत्येक ऑक्सीजन परमाणु को दो पिरामिडों द्वारा साझा किया जाता है।
- ये पिरामिड क्रिस्टल बनाने के लिए खुद को दोहराते

में कम लागत वाले सेंसिंग उपकरणों को बनाने और बनाने में मदद करेगा जहां निर्माण लागत अधिक है।

पीजोइलेक्ट्रिक प्रभाव:

- क्वार्ट्ज में पीजोइलेक्ट्रिक प्रभाव की खोज 1880 में की गई थी।
- पीजोइलेक्ट्रिक प्रभाव में, शरीर को निचोड़ने पर एक विद्युत प्रवाह विकसित होता है।
- ऐसी कई सामग्रियां हैं जो इस घटना को प्रदर्शित करती हैं, जिनमें प्राकृतिक क्वार्ट्ज क्रिस्टल, अर्ध-क्रिस्टलीय पॉलीविनाइलिडीन बहुलक, पॉलीक्रिस्टलाइन पाईज़ोसेरामिक, हड्डी और यहां तक कि लकड़ी भी शामिल हैं।

हैं।

- प्रत्येक पिरामिड का प्रभावी आवेश केंद्र से थोड़ा दूर स्थित होता है।
- जब एक यांत्रिक तनाव लागू होता है –
  - यानी जब क्रिस्टल को निचोड़ा जाता है - आवेश की स्थिति को केंद्र से और आगे धकेल दिया जाता है, जिससे एक छोटा वोल्टेज उत्पन्न होता है। यह प्रभाव का स्रोत है।
  - ऐसे क्रिस्टल का उपयोग सिगरेट लाइटर, इलेक्ट्रिक गिटार, टीवी रिमोट कंट्रोल, ऑडियो ट्रांसड्यूसर और अन्य उपकरणों में भी किया जाता है जहां यांत्रिक तनाव को वर्तमान में परिवर्तित करना उपयोगी होता है।

डीजल से चलने वाले वाहनों पर प्रतिबंध

सन्दर्भ:

- पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा गठित एक पैनल ने 1 मिलियन से अ
2027 तक डीजल से चलने वाले चार पहिया वाहनों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने

मुख्य विशेषताएं:

- इसके अलावा, यह रिपोर्ट 2035 तक आंतरिक दहन इंजन द्वारा संचालित मोटरसाइकिलों, स्कूटरों और 3-पहिया वाहनों के चरणबद्ध उन्मूलन की सिफारिश करती है।
- 2035 तक आंतरिक दहन इंजन दो/तिपहिया वाहनों को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने के साथ ये रिपोर्ट ईवी को बढ़ावा देने का सुझाव देती है।
- इस अवधि के दौरान बढ़ते मिश्रण अनुपात के साथ

- भारत 2040 तक में पेट्रोल और डीजल की मांग में एक अनुमानित शिखर है। इसके बाद इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते उपयोग के कारण गिरावट आई है।
- इसके अतिरिक्त, खाना पकाने के विद्युतीकरण के कारण 2030 के बाद एलपीजी की मांग में कमी आने की उम्मीद है, जिससे अंततः 2070 तक पूर्ण विद्युतीकरण हो जाएगा।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

इथेनॉल-मिश्रित ईंधन के उपयोग का समर्थन करने वाली नीतियों को लागू किया जाना चाहिए।

- आंशिक रूप से इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल के साथ, प्रत्येक श्रेणी में लगभग 50% की समान हिस्सेदारी के साथ यात्री कारों और टैक्सियों को इलेक्ट्रिक वाहनों से बदला जाना चाहिए।
- **प्रोत्साहन का विस्तार:** यह रिपोर्ट भारत में ईवी अपनाने को बढ़ावा देने के लिए 31 मार्च से आगे फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ इलेक्ट्रिक एंड हाइब्रिड व्हीकल्स (फेम) योजना के तहत प्रोत्साहन करने की सिफारिश करती है।
- **प्राकृतिक गैस के उपयोग को बढ़ावा देना:** उद्योगों और ऑटोमोबाइल में प्राकृतिक गैस के उपयोग को प्रोत्साहित करना महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह डीजल जैसे तरल ईंधन का एक हरित विकल्प है। भारत का लक्ष्य 2030 तक अपने ऊर्जा मिश्रण में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी को 15% तक बढ़ाना है।

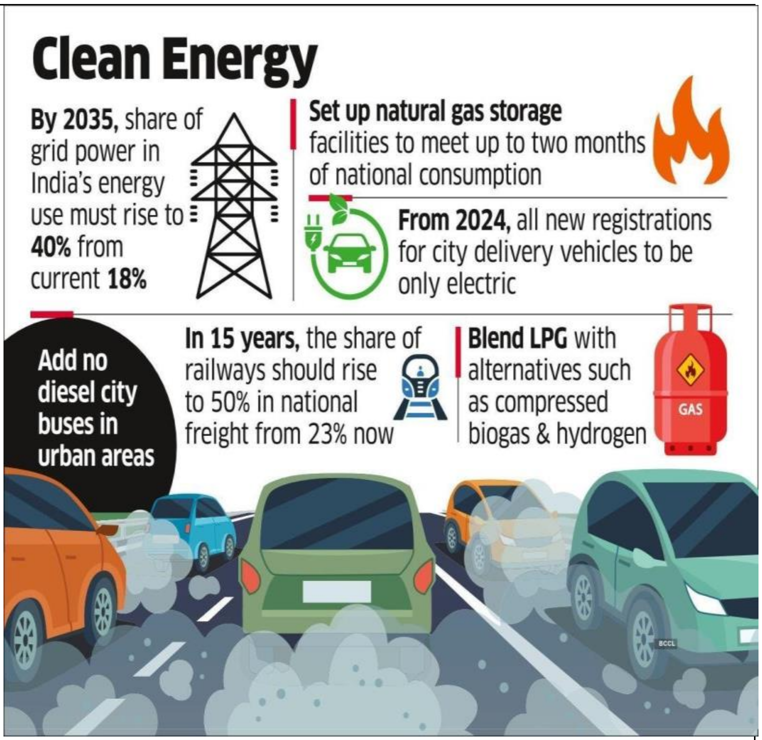

बारहसिंघा हिरण (Swamp Deer)

सन्दर्भ:

- हाल ही में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व (बीटीआर) में एक बाड़े में 16 मादा और दो नर बारहसिंघा हिरणों को छोड़ा गया था।

मुख्य विशेषताएं:

- दलदली हिरण को आमतौर पर बारहसिंघा कहा जाता है, जिसका अर्थ है "बारह-धारीदार"। यह नाम परिपक्व हिरणों के बड़े सींगों से लिया गया है, जिनमें इसकी सींग की 10 से 14 शाखाएँ होती हैं।
- संभोग के मौसम (mating season) के दौरान, नर (स्टैग) मादाओं (हिंद) को आकर्षित करने और अपना क्षेत्र स्थापित करने के लिए "बगलिंग" के रूप में जानी जाने वाली एक विशिष्ट कॉल का उत्सर्जन

- कुछ असाधारण जानवरों के पास 20 तक सींग हो सकते है।
- **आवास:** दलदली हिरण भारतीय उपमहाद्वीप के विभिन्न क्षेत्रों में पाया जाता है। इसके आवास में नदियों के पास दलदल और ऊंचे घास के मैदान शामिल हैं, जहाँ यह जलीय पौधों और घासों को खाता है।
- **संरक्षण की स्थिति:** आवास के नुकसान और गिरावट के कारण दलदली हिरण को IUCN लाल सूची में एक संवेदनशील प्रजाति के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

करते हैं।

बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान के बारे में:

- बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान मध्य प्रदेश के उमरिया और कटनी जिलों में स्थित है।
- यह लगभग 450 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है।
- यह बाघ आबादी का एक महत्वपूर्ण घर है जिसने इन जानवरों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- बाघों के अलावा यह कई अन्य वन्यजीव प्रजातियों का घर है, जिनमें तेंदुए, सुस्त भालू, भारतीय बाइसन (गौर), सांभर हिरण, चित्तीदार हिरण, जंगली सूअर और पक्षियों की 250 से अधिक प्रजातियां शामिल हैं।

आई-ड्रोन (i-DRONE)

सन्दर्भ:

- हाल ही में इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) ने अपनी आई-ड्रोन पहल के दौरान ड्रोन का उपयोग करके रक्त बैग वितरित करने का सफल परीक्षण किया।

मुख्य विशेषताएं:

- दूरस्थ क्षेत्रों में COVID-19 महामारी के दौरान वैक्सीन वितरण के लिए शुरू में उपयोग किए गए आई-ड्रोन ने रक्त और रक्त से संबंधित उत्पादों को कम तापमान की आवश्यकता वाले परिवहन की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया।
- इस अभूतपूर्व सत्यापन अध्ययन में आईसीएमआर, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज (एलएचएमसी),
- इस प्रयोग ने आवश्यक तापमान के रखरखाव और परिवहन किए गए उत्पादों को नुकसान की अनुपस्थिति की पुष्टि की।
- इस पहल का उद्देश्य अनुसंधान और तकनीकी प्रगति के माध्यम से चुनौतियों का मानचित्रण करना और संभावित समाधानों की पहचान करना है।
- अध्ययन के निष्कर्ष रक्त उत्पादों पर ड्रोन परिवहन के प्रभाव के संबंध में भारत से वैज्ञानिक प्रमाण

सरकारी आयुर्विज्ञान संस्थान (जीआईएमएस) और जेपी सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (जेआईआईटी) के बीच सहयोग शामिल है।

- इस परीक्षण में जीआईएमएस से एलएचएमसी तक पूरे रक्त के नमूनों की 10 इकाइयों का परिवहन शामिल था, जिसमें दृष्टि की दृष्टि से ड्रोन का उपयोग किया गया था।

प्रदान करेंगे।

- यह शोध रक्त की थैलियों और घटकों को वितरित करने में ड्रोन के व्यापक उपयोग के लिए मानकीकृत संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के विकास में योगदान देगा।

संक्षिप्तसुर्खियां

आईएमएफ का क्षेत्रीय आर्थिक आउटलुक

सन्दर्भ:

- आईएमएफ के क्षेत्रीय आर्थिक आउटलुक के अनुसार, उच्च मुद्रास्फीति और बढ़ती ब्याज दरों के कारण इस वर्ष मध्य पूर्व और मध्य एशिया की अर्थव्यवस्थाओं में धीमी वृद्धि का अनुभव होने की उम्मीद है।

मुख्य विशेषताएं:

- बढ़ी हुई ऊर्जा लागत और बढ़ी हुई खाद्य कीमतों जैसे कारक इस मंदी में योगदान करते हैं। तेल पर निर्भर खाड़ी अरब देशों को कच्चे तेल की उच्च कीमतों से लाभ हुआ है, जबकि विनाशकारी बाढ़ से पाकिस्तान का विकास बाधित हुआ है।
- आईएमएफ ने चेतावनी दी है कि वैश्विक वित्तीय स्थिति कड़ी हो जाएगी, विशेष रूप से भारी कर्ज वाले देशों को प्रभावित करेगी।
- **आर्थिक मंदी:** आईएमएफ ने इस साल 14.8% पर लगातार मुद्रास्फीति के साथ क्षेत्रीय विकास में 5.3% से 3.1% की गिरावट की भविष्यवाणी की है। पाकिस्तान की मुद्रास्फीति की दर दोगुनी से अधिक बढ़कर लगभग 27% होने का अनुमान है।
- आईएमएफ ने संयुक्त राज्य अमेरिका में बैंकों की विफलताओं और क्रेडिट सुइस के पतन के कारण दुनिया भर में वित्तीय स्थितियों को कड़ा करने की चेतावनी दी है।
- ये घटनाएँ विशेष रूप से अत्यधिक ऋणग्रस्त राष्ट्रों को प्रभावित करेंगी। मुद्रास्फीति से निपटने के लिए केंद्रीय बैंकों द्वारा लागू की गई बढ़ती ब्याज दरें इन देशों को और प्रभावित करेंगी।

	• उच्च-ऋण वाले राष्ट्रों पर प्रभाव: उच्च-ऋण वाले देशों को वैश्विक ब्याज दर में वृद्धि और सख्त मौद्रिक नीतियों के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।
वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (FSDC) FSDC वित्तीय स्थिरता विकास परिषद् Financial Stability and Development Council	**सन्दर्भ:** • हाल ही में वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद की बैठक दिल्ली में आयोजित की गई थी। **मुख्य विशेषताएं:** • यह बैठक वित्त मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी। • यह वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद की 27वीं बैठक है। • बजट 2023-24 पारित होने के बाद FSDC की यह पहली बैठक होगी। **वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (FSDC):** • यह दिसंबर 2010 में सरकार द्वारा स्थापित शीर्ष स्तरीय फोरम है। • इसका उद्देश्य वित्तीय स्थिरता को बनाए रखने, अंतर-नियामक समन्वय और वित्तीय क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने के लिए तंत्र को मजबूत और संस्थागत बनाना था। FSDC के अध्यक्ष वित्त मंत्री हैं। • आरबीआई गवर्नर FSDC उपसमिति के अध्यक्ष हैं। • इसके सदस्यों में वित्तीय नियामकों के प्रमुख: आरबीआई, सेबी, पीएफआरडीए, आईआरडीए और एफएमसी, वित्त सचिव और सचिव (डीईए), सचिव (वित्तीय सेवाएं विभाग) और मुख्य आर्थिक सलाहकार शामिल हैं। • **साइड नोट:** वैश्विक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट आईएमएफ द्वारा जारी की जाती है।
राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA)	**सन्दर्भ:** • हाल ही में, टीटीई राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) ने रणथंभौर टाइगर रिजर्व (आरटीआर) से तीन बाघिनों को दो अन्य राज्य रिजर्व में स्थानांतरित करने की मंजूरी दी। **एनटीसीए के बारे में:** • एनटीसीए पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत एक सांविधिक

<table>
<tr>
<td></td>
<td>निकाय है। इसकी स्थापना 2005 में टाइगर टास्क फोर्स की सिफारिशों के बाद की गई थी। इसका गठन वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (2006 में संशोधित) के सक्षम प्रावधानों के तहत बाघ संरक्षण को मजबूत करने के लिए, इसे सौंपी गई शक्तियों और कार्यों के अनुसार किया गया था। यह शीर्ष निकाय है जो 'प्रोजेक्ट टाइगर' को प्रशासन करता है।
• एनटीसीए हर चार साल में एक बार बाघों, सह-परभक्षियों, शिकार और आवास की स्थिति का देश-स्तरीय आकलन करता है, टाइगर टास्क फोर्स-अनुमोदित पद्धति का उपयोग करते हुए।</td>
</tr>
<tr>
<td>एल ग़रीबा सिनेगॉग (El Ghriba Synagogue)
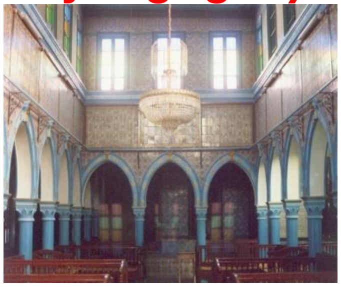</td>
<td>सन्दर्भ:
• हाल ही में ट्यूनीशिया के जेरबा द्वीप पर एक आराधनालय के पास हुए हमले में छह लोग मारे गए हैं, जहां हर साल एक वार्षिक तीर्थयात्रा के दौरान यूरोप और इज़राइल से सैकड़ों यहूदी आते हैं।

मुख्य विशेषताएं:
• एल ग़रीबा सिनेगॉग ट्यूनीशिया के जेरबा द्वीप पर एरिआध शहर के पास, हारा सघिरा स्थान में स्थित है।
• जेरबा भूमध्य सागर में दक्षिणी ट्यूनीशिया के तट पर स्थित है।
• एल ग़रीबा सिनेगॉग को दुनिया के सबसे पुराने सिनेगॉग में से एक माना जाता है, जिसका समृद्ध इतिहास 2,000 साल पुराना है। यह यहूदी तीर्थयात्रा के लिए एक पवित्र स्थल और उत्तरी अफ्रीका में यहूदी विरासत का एक महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है।
• स्थापत्य विशेषताएं: एल ग़रीबा सिनेगॉग में बीजान्टिन, मूरिश और यहूदी परंपराओं सहित विभिन्न अवधियों से प्रभावित स्थापत्य शैली का एक अनूठा मिश्रण है। इंटीरियर को जटिल टाइलों, सजावटी रूपांकनों और धार्मिक प्रतीकों से सजाया गया है।</td>
</tr>
</table>

MCQ, Current Affairs, Daily Pre Pare

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com